पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग
मौसम विज्ञान केंद्र, देहरादून

MINISTRY OF EARTH SCIENCES
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT
METEOROLOGICAL CENTRE, DEHRADUN

उत्तराखंड राज्य के लिए तात्कालिक मौसम पूर्वानुमान
NOWCAST FOR UTTARAKHAND STATE

सेवा में,

1. **सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास, उत्तराखंड शासन**
2. **समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखंड शासन**
3. **कमांडेंट, 15 बटालियन, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल**
4. **कमांडेंट, राज्य-आपदा प्रतिवादन बल, उत्तराखंड**
5. **आकाशवाणी केन्द्र, देहरादून01**
6. **दूरदर्शन केन्द्र, देहरादून**

जारी करने की तिथि/समय : 17-05-2025/15:00 IST

वैधता: 15:00 से 18:00 IST

प्रभावित जनपद/क्षेत्र	मौसम पूर्वानुमान	मौसम चेतावनी	प्रभाव/सलाह
देहरादून (पर्वतीय क्षेत्र), उत्तरकाशी, पिथौरागढ़, रुद्रप्रयाग, बागेश्वर एवं चमोली जनपदों में	कहीं कहीं बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है।	कहीं कहीं आकाशीय बिजली चमकने एवं झोंकेदार हवाएं (30-40 किमी/घंटा) चलने की संभावना	प्रभाव एवं सलाह तालिका संख्या 2 देखें
टिहरी, पौड़ी एवं अल्मोड़ा जनपदों में	कहीं कहीं गर्जन वाले बादल विकसित होने/ बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है।		
शेष सभी जनपदों में	कोई उल्लेखनीय मौसम नहीं है।		
पिछले 03 घंटों में दर्ज महत्वपूर्ण वर्षा (mm):	-		
08:30 IST से दर्ज महत्वपूर्ण वर्षा (mm):	-		

WARNING MAP:	

चेतावनी के लिए रंग कोड

(चेतावनी) कार्रवाई करें	**(अलर्ट) कार्रवाई हेतु तैयार रहें**	**(वाच) जागरूक रहे**	**(कोई चेतावनी नहीं) कोई कार्रवाई नहीं**

पिछले 3 घंटे में दर्ज महत्वपूर्ण वर्षा (mm)

No significant rainfall

0830 IST से दर्ज महत्वपूर्ण वर्षा (mm)

No significant rainfall

विभिन्न चेतावनियों के लिए प्रभाव और सलाह

क्र. सं.	चेतावनी	प्रभाव	सलाह
1	(कोई चेतावनी नहीं) कोई कार्रवाई नहीं	-	-
2	(वाच) जागरूक रहे	• कहीं-कहीं बिजली गिरने से जान-माल की हानि | • कच्चे / असुरक्षित मकानों में हल्का नुकसान होना | • कहीं-कहीं बरसाती नालों के जल स्तर में अचानक वृद्धि होना |	• गर्जन / आकाशीय बिजली / झोंकेदार हवाओं के समय घर के अन्दर रहे, खिडकियाँ और दरवाजे बंद रखें | • गर्जन / आकाशीय बिजली / झोंकेदार हवाओं के दौरान जानवरों को बाहर न बांधें | • लोगो को सलाह दी जाती है कि वे गर्जन / आकाशीय बिजली / झोंकेदार हवाओं के समय सुरक्षित स्थानों / पक्के मकानों में शरण ले, पेड़ो के नीचे शरण ना ले • छोटी नदी / नालों के समीप रहने वाले लोगो तथा बस्तियों को नदी / नालों के जल स्तर पर नज़र बनाए रखने की जरुरत है |
3	(अलर्ट) कार्रवाई हेतु तैयार रहें	• कहीं-कहीं बिजली गिरने से जान-माल की हानि | • संवेदनशील इलाकों में कहीं-कहीं हल्के से मध्यम भूस्खलन एवं चट्टान गिरने के कारण सड़कों / राजमार्गों मे अवरोध / कटाव | • लगातार भारी वर्षा के कारण बांधों/बैराजों से निस्सरण बढ़ सकता है जिससे नदी जल स्तर में वृद्धि हो सकती है। प्रमुख नदियों और उनकी सहायक नदियों के जल स्तर में मध्यम वृद्धि। • बहुत / अत्यधिक तीव्र वर्षा से अचानक बाढ़ आ सकती है, निचले इलाकों में जल भराव हो सकता है, पहाड़ों और खड़ी पहाड़ियों से तीव्र बहाव उत्पन्न हो सकता है, जिससे कहीं-कहीं नदियों का जल स्तर तेजी से बढ़ सकता है | • कच्चे मकानों / सड़कों / दीवारों, झोपड़ियों और निर्माणाधीन भवनों, पुलों, सुरंगों आदि जैसे संवेदनशील ढांचों को क्षति पहुंचने की घटनाएं कहीं-कहीं हो सकती है | • कहीं-कहीं बरसाती नालों के जल स्तर में अचानक वृद्धि होना | • निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति |	• गर्जन/आकाशीय बिजली के दौरान बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहे | • कटी हुई उपज (यदि खेत में हो) को सुरक्षित स्थान पर रखे | • घर के अन्दर रहे, खिडकियाँ और दरवाजे बंद रखें | • गर्जन के दौरान जानवरों को बाहर न बांधें | • भूस्खलन की आशंका वाले संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है | • नदी/ नालों/निचले इलाकों के समीप रहने वाले लोगो तथा बस्तियों को सावधान रहने की जरुरत है | • यात्रियों या वाहन से यात्रा करने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। • लोगो को सलाह दी जाती है कि वे गर्जन / आकाशीय बिजली के समय सुरक्षित स्थानों/पक्के मकानों में शरण ले, पेड़ो के नीचे शरण ना ले तथा अपने वाहन को सुरक्षित स्थानों में रखें | • संवेदनशील पहाड़ी इलाके और खड़ी ढलानों पर जाने से बचें। • बाढ़ वाले क्षेत्र से गुजरने की कोशिश न करें। यदि आप वाहन में हैं तो बाढ़ वाले क्षेत्रों से बचें। • भारी बारिश के दौरान उफनती नदियों, धाराओं, नदियों और उनकी सहायक नदियों में तैरने या नौका विहार करने न जाएं।
4	(चेतावनी) कार्रवाई करें	• कहीं-कहीं बिजली गिरने से जान-माल की हानि | • संवेदनशील इलाकों में कुछ स्थानों में हल्के से मध्यम भूस्खलन एवं चट्टानगिरने तथा कहीं-कहीं भारी भूस्खलन एवं चट्टान गिरने के कारण सड़कों / राजमार्गों मे अवरोध / कटाव| • कहीं-कहीं चट्टान/भू-स्खलन और बाढ़ के कारण सड़कों/ राजमार्गों/ पुलों काअवरुद्ध/ बहजाना।	• गर्जन/आकाशीय बिजली के समय घर के अन्दर रहे, खिडकियाँ और दरवाजे बंद रखें | • गर्जन/आकाशीय बिजली के दौरान जानवरों को बाहर न बांधें | • लोगो को सलाह दी जाती है कि वे गर्जन/आकाशीय बिजली के समय सुरक्षितस्थानों/ पक्के मकानों में शरण ले, पेड़ो के नीचे शरण ना ले तथा अपने वाहन को सुरक्षित स्थानों में रखें| • नदी/ नालों के समीप रहने वाले लोगो तथा बस्तियों को सुरक्षित स्थान पर स्थानान्तरण करने की सलाह दी जाती है|

		• लगातार भारी वर्षा के कारण बांधों/ बैराजों से निस्सरण बढ़ सकता है जिससे नदी जल स्तर में वृद्धि हो सकती है। प्रमुख नदियों और उनकी सहायक नदियों के जल स्तर में मध्यम वृद्धि। • बहुत/ अत्यधिक तीव्र वर्षा से अचानक बाढ़, निचले इलाकों, पहाड़ों और सेंट में बाढ़ आ सकती है। • कच्चे मकानों/सड़कों/दीवारों, झोपड़ियों और निर्माणाधीन भवनों, पुलों, सुरंगों आदि जैसे संवेदनशील ढांचों को क्षति पहुंचने की घटनाएं कहीं-कहीं हो सकती है। • निचले इलाकों में जल भराव की स्थिति । • उत्तराखंड के पहाड़ों में कुछ स्थानों पर नालों और धाराओं में जल स्तर में वृद्धि/ अचानक वृद्धि।	• तीर्थ यात्री, पर्यटक एवं दैनिक यात्री लोगों को सलाह दी जाती है कि जहाँ तक संभव हो यात्रा करने से बचें| • बांध/ बैराज अधिकारियों को जल स्तर न्यूनतम रखने की सलाह दी जाती है। • भूस्खलन की आशंका वाले संवेदनशील क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है । • नदी/ नालों/निचले इलाकों के समीप रहने वाले लोगो तथा बस्तियों को सावधान रहने की जरुरत है । • यात्रियों या वाहन से यात्रा करने वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। • संवेदनशील पहाड़ी इलाके और खड़ी ढलानों पर जाने से बचें। • बाढ़ वाले क्षेत्र से गुजरने की कोशिश न करें। यदि आप वाहन में हैं तो बाढ़ वाले क्षेत्रों से बचें। • भारी बारिश के दौरान उफनती नदियों, धाराओं, नदियों और उनकी सहायक नदियों में तैरने या नौका विहार करने न जाएं।